Incidents of rising crime against women in various parts of the country

कुमारी शैलजा (हरियाणा): सर, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

सर, आज के दिन जिस तरह से हमारे देश में महिलाओं के प्रति अत्याचार बढ़ता जा रहा है, उसकी तरफ मैं आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहूंगी। National Crime Records Bureau ने जो रिपोर्ट दी है, उसमें भी यह कहा गया है कि पिछले कुछ अरसे से क्राइम दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। सर, अगर दिल्ली में कुछ हादसे होते हैं, तो उन्हें तो मीडिया पूरी तरह से उछालता है, लेकिन देश के हर कोने में यह हो रहा है, उनके बारे में मीडिया में बहुत कम आता है।

महोदय, मैं अपने प्रदेश हरियाणा के बारे में खास तौर से कहना चाहूंगी कि वहां महिलाओं और बच्चों के खिलाफ बहुत ज्यादा क्राइम बढ़ रहा है। एक नारा दिया जाता है "बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ।" सर, जब हम जमीन पर जाकर देखते हैं, तो इस तरह के सारे नारे खोखले हो जाते हैं। छोटी-छोटी बच्चियों के साथ हिंसा हो रही है और आजकल तो छोटे-छोटे लड़कों के खिलाफ भी इस तरह के क्राइम हो रहे हैं।

सर, मेरे अपने गांव उकलाना में एक छोटी सी पांच-छः साल की बच्ची के साथ एक बहुत ही घिनौनी हरकत हुई है। हरियाणा के यमुना नगर, अम्बाला, गुरुग्राम, फरीदाबाद, हिसार और अन्य अनेक स्थानों पर ये क्राइम दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। हरियाणा में खास तौर पर क्राइम बहुत बढ़ गए हैं।

महोदय, हालांकि यह महिलाओं के बारे में नहीं है, बल्कि अभी आपने स्वयं चेयर से उल्लेख किया कि शनिवार, दिनांक 30 दिसम्बर, 2017 को हमारे राज्य सभा के एक अटेंडेंट, श्री अशोक कुमार की किस तरह से हत्या की गई। यह सब दिखा रहा है कि हरियाणा में क्राइम किस स्तर पर जा रहा है और सरकार आंख मीच कर बैठी हुई है। न केवल हरियाणा में, बल्कि देश के अन्य भागों में भी यही हालत है। ...(**व्यवधान**)... पलवल में छः लोगों की हत्या हो गई। यह बहुत बढ़ता जा रहा है और खास तौर से महिलाओं के प्रति बढ़ रहा है। यह बहुत ही सीरियस मामला है। इसे सरकार को सीरियसली लेना चाहिए।

सर, मैं इसमें एक बात जरूर जोड़ना चाहूंगी कि आजकल मीडिया का जो रोल है, उस पर ध्यान रखना पड़ेगा। मीडिया में जिस तरह की चीज़ें नेट के माध्यम से दिखाई जाती हैं, वह भी ठीक नहीं है। आप सभी देखिए, सड़क पर हर इंसान मोबाइल लेकर क्या-क्या चीज़ें देख रहा है। सरकार को इसके बारे में सीरियसली सोचना चाहिए। This is also a contributory factor. The way women are depicted, महिलाओं को जिस तरह से दिखाया जाता है, जिस तरह से क्राइम को glamorise किया जाता है, जिस तरह से उसे glorify कर दिया जाता है, वह लोगों को इस तरह के क्राइम करने के लिए इंस्पायर करता है। दूसरी ओर हमारी जो एजेंसीज़ हैं, पुलिस है या अन्य ऐसी संस्थाएं जो क्राइम को रोकती हैं, उन्हें एम्पॉवर करना पड़ेगा, ताकि महिलाओं के खिलाफ इन अत्याचारों को पूरे देश में रोका जा सके, धन्यवाद।

MR. CHAIRMAN: The issue raised by Kumari Selja is a very important issue. It is not confined to one State or one province or one region. ...*(Interruptions)*... It is a very serious issue. There is every need for a change of mindset also. ...*(Interruptions)*... Please, please. ...*(Interruptions)*... श्री भट्टाचार्य जी, आप इतने अनुभवी हैं, प्लीज़ बैठिए। The media, the cinema and of late the social media also have a greater responsibility in not glorifying these horrifying incidents and showing those people as if they have done something great. This is also adding to the problem. I hope everyone concerned would keep that in mind, including the media, the cinema and the social media people also. We have to think of improving the overall situation. That is the issue. The names of all the Members, who have raised their hands, will be added. Shri Prasanna Acharya to associate officially.

SHRI PRASANNA ACHARYA (Odisha): Sir, can I speak two lines about this?

MR. CHAIRMAN: You have given notice!

SHRI PRASANNA ACHARYA: Sir, I have given notices several times.

MR. CHAIRMAN: But you can say one line.

SHRI PRASANNA ACHARYA: Sir, this is happening mostly under the very nose of the Central Government. The highest number of crimes against women is being committed in Delhi itself which is most alarming. It has reflection all over the country, in cities and even in villages.

श्री प्रदीप टम्टा (उत्तराखंड): सभापति महोदय, मैं इस विषय से अपने आप को सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती रजनी पाटिल (महाराष्ट्र): सभापति महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को सम्बद्ध करती हूं।

श्री मोतीलाल वोरा (छत्तीसगढ़): सभापति महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को सम्बद्ध करता हूं।

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी (मध्य प्रदेश): सभापति महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती छाया वर्मा (छत्तीसगढ़): सभापति महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को सम्बद्ध करती हूं।

श्रीमती जया बच्चन (उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को सम्बद्ध करती हूं।

श्री प्रताप सिंह बाजवा (पंजाब): सभापति महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को सम्बद्ध करता हूं।

श्री शादी लाल बत्रा (हरियाणा): सभापति महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को सम्बद्ध करता हूं।

श्री हुसैन दलवई (महाराष्ट्र): सभापति महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को सम्बद्ध करता हूं।

श्री राम कुमार कश्यप (हरियाणा): सभापति महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को सम्बद्ध करता हूं।

श्री शमशेर सिंह ढुलो (पंजाब): सभापति महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को सम्बद्ध करता हूं।

श्री महेन्द्र सिंह माहरा (उत्तराखंड): सभापति महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को सम्बद्ध करता हूं।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय, मैं भी इस विषय से अपने आप को सम्बद्ध करता हूं।

SHRI AHMED PATEL (Gujarat): Sir, I associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI B.K. HARIPRASAD (Karnataka): Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI P. BHATTACHARYA (West Bengal): Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI K.K. RAGESH (Kerala): Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI RITABRATA BANERJEE (West Bengal): Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

SHRI KIRANMAY NANDA (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

PROF. JOGEN CHOWDHURY (West Bengal): Sir, I also associate myself with the mention made by the hon. Member.

कुछ माननीय सदस्य: सभापति महोदय, हम भी इस विषय से अपने आप को सम्बद्ध करते हैं।